श्री नरेन्द्र सिंह तोमर: माननीय सभापति महोदय, सभी राज्यों की अपनी-अपनी स्थितियाँ है। उनके कारण निश्चित रूप से उनके यहाँ न्यूनतम मजदूरी भी अलग-अलग है। इसी तरह हम देखें कि जब हम CPI के अनुसार मनरेगा की मजदूरी तय करते हैं, तो वह मजदूरी भी अलग-अलग होती है, लेकिन सामान्यत: राज्य की न्यूनतम मजदूरी को मानकर ही हम उसको allow करें दें, यह निश्चित रूप से फिलहाल संभव नहीं होगा, क्योंकि अधिनियम में ही यह प्रावधान किया गया है कि मनरेगा को अपनी मजदूरी दरें अलग से अधिसूचित करनी चाहिए। उसकी प्रक्रिया बनी हुई है और उसके जो पुराने निर्देश हैं, उन्हीं के अनुसार इस प्रक्रिया का पालन करते हुए मजदूरी का निर्धारण किया जाता है।

हाजीपुर से महुआ तक नई रेल लाईन

*66. **श्री राम नाथ ठाकुर**: क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा हाल ही में हाजीपुर से महुआ के बीच एक नई लाइन के निर्माण हेतु कोई सर्वेक्षण कराया गया है;

(ख) यदि हां, तो सर्वेक्षण के पश्चात् अब तक आगे क्या कार्यवाही की गई है;

(ग) क्या यह भी सच है कि बड़ी आबादी की यातायात संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए इस रेल खण्ड की मांग बहुत वर्षों से की जा रही है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार इसे प्राथमिकता देते हुए शीघ्र कार्यवाही आरंभ करेगी?

रेल मंत्री (श्री पीयूष गोयल): (क) से (घ) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) हाजीपुर-महुआ नई लाइन खंड के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया है। बहरहाल, महुआ के रास्ते भगवानपुर (हाजीपुर से 20 कि.मी. दूर) - समस्तीपुर (60 कि.मी.) के बीच नई लाइन के लिए टोही इंजीनियरी-सह-यातायात सर्वेक्षण (आरईटीएस) शुरू कर दिया गया है।

(ग) और (घ) नई लाइनों के लिए सर्वेक्षण/स्वीकृति की मांग करना सतत प्रक्रिया है। सर्वेक्षण रिपोर्ट की जांच के बाद परियोजना के वित्तीय और आर्थिक प्रतिफल के आधार पर परियोजना की स्वीकृति पर अंतिम निर्णय लिया जाता है।

New railway line from Hajipur to Mahua

†*66. SHRI RAM NATH THAKUR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a survey has been got conducted by Government recently for the construction of a new railway line from Hajipur to Mahua;

(b) if so, what further action has been taken after the survey till date;

†Original notice of the question was received in Hindi.

(c) whether it is also a fact that demand for this railway line segment was being made for years to cater to the transport needs of a large population; and

(d) if so, whether Government would take quick action by according priority to it?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI PIYUSH GOYAL): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) No survey for Hajipur-Mahua New Line section has been conducted. However, a Reconnaissance Engg-cum-Traffic Survey (RETS) for new line between Bhagwanpur (located at a distance of 20 km from Hazipur) - Samastipur *via* Mahua (60 km) has been taken up.

(c) and (d)(Demands for survey/sanction of new lines is a continuous process. Final view on sanction of project is taken on the basis of financial and.economic return on the project, after examination of survey report.

श्री राम नाथ ठाकुर: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि टोही इंजीनियरि-सह-यातायात सर्वेक्षण कब से शुरू किया गया और वह कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA: Sir, survey is always an ongoing process. An Engineering-cum-Traffic Survey for a new line between Bhagwanpur (located at a distance of 20 kilometres from Hazipur) - Samastipur *via* Mahua has been taken up. It is under process.

MR. CHAIRMAN: Second supplementary, please.

श्री राम नाथ ठाकुर: सर, कब से शुरू किया गया है और कब तक पूरा हो जाएगा, यह जवाब तो इन्होंने दिया ही नहीं।

श्री अंगादि सुरेश चन्नाबासप्पा: वह जल्दी से जल्दी पूरा हो जाएगा।

श्री राम नाथ ठाकुर: सर, यह तो जवाब नहीं है।

श्री सभापति: ठीक है। मंत्री जी आप specific बताइए कि यह कब से शुरू हुआ।

श्री राम नाथ ठाकुर: यह कब से शुरू हुआ है और कब तक पूरा हो जाएगा?

श्री अंगादि सुरेश चन्नाबासप्पा: यह बहुत पुराना है, जो वर्ष 2014 से पहले शुरू हो गया था।

श्री राम नाथ ठाकुर: आप तारीख तो बताइए।.

श्री सभापति: राम नाथ जी, सेकेंड सप्लिमेंटरी। आप बैठिए न! सवाल पूछने के बाद, उनके द्वारा जवाब देते समय आप बैठिए, फिर बाद में खड़े होकर सवाल पूछिए। अब आप सेकंड सप्लिमेंटरी पूछिए।

श्री राम नाथ ठाकुर: सभापति महोदय, हमारे प्रश्न के जवाब में कहा गया है कि परियोजना की स्वीकृति का एकमात्र आधार वित्तीय और आर्थिक प्रतिफल ही होता है। मैं जानना चाहता हूँ कि इसका उद्देश्य केवल यही होता है अथवा क्षेत्र के विकास, जन-सुविधा व सामाजिक कल्याण को धन में रखा जाता है?

SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA: Sir, it started in 2006-07. अभी इसको जल्दी से जल्दी करके बिहार के लोगों को सुविधा देने का काम करेंगे। अगर पहले की तुलना में देखा जाए, तो अभी हमने बिहार के लिए 362 परसेंट ज्यादा दिया है। This year, we have given ₹ 4,903 crore, which is much more as compared to that of the earlier Government, from 2009 to 2014. Fifty-five projects are already in progress ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: श्रीमती कहकशां परवीन।

श्री अंगादि सुरेश चन्नाबासप्पा: उसमें इस साल का ...**(व्यवधान)**... काम चाले है।

सभपति: मंत्री जी, बस।

श्रीमती कहकशां परवीन: सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूँ कि बिहार में ऐसी कुल परियोजनाएँ हैं, जो पहले से जारी थीं और अब तक लम्बित पड़ी हुई हैं?

†محترمہ کہکشاں پروین : سر، میں آپ کے مادھیم سے مانئے منتری جی سے جاننا چاہتی ہوں کہ بہار میں ایسی کل کتنی پری-یوجنائیں ہیں، جو پہلے سے جاری تھیں اور اب تک لمبت پڑی ہوئی ہیں؟

SHRI ANGADI SURESH CHANNABASAPPA: Sir, there are 55 ongoing projects already. They are worth more than ₹ 72,000 crore. This year, ₹ 4,093 crore have been given, which is comparatively 362 per cent more than the previous allotment made from 2009 to 2014.

किसान की परिभाषा

67. **श्री अजय प्रताप सिंह**: क्या **कृषि एवं किसाल कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि:

(क) केन्द्रीय सरकार द्वारा किसान की क्या परिभाषा निर्धारित की गई है और देश में इस परिभाषा के अंतर्गत कितने कितसान परिवार आते हैं;

†Transliteration in Urdu script.